



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 557]

नई दिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 31, 2018/पौष 10, 1940

No. 557]

NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 31, 2018/PAUSHA 10, 1940

## भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

### अधिसूचना

मुम्बई, 31 दिसम्बर, 2018

## भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

### (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) (संशोधन) विनियम, 2018

सं. सेबी/ एल. ए. डी. - एन.आर. ओ./ जी. एन./ 2018/ 59.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 11 की उप-धारा (2) के खंड (छ) और धारा 12क के खंड (घ) एवं खंड (ड) के साथ पठित धारा 30 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 2015 का संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्:

1. इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) (संशोधन) विनियम, 2018 कहा जा सकेगा।

2. वे 1 अप्रैल, 2019 को प्रवृत्त (लागू) होंगे।

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 2015 में,

(1) विनियम 2 में, उप-विनियम (1) में,

(क) खंड (ग) में, अंत में निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

**“स्पष्टीकरण** – इस विनियम के प्रयोजनार्थ, “वित्त-संबंधी ज्ञान रखने वाले व्यक्ति” से वह व्यक्ति अभिप्रेत होगा, जिसके पास मूल वित्तीय विवरणों, अर्थात् तुलन-पत्र (बैलेंस शीट), लाभ और हानि लेखा (प्रॉफिट एंड लॉस अकाउंट) और नकदी प्रवाह (कैश फ्लो) विवरण, को पढ़ने और समझने की योग्यता हो।”

(ख) खंड (ज) में, अंक “2009” अंक “2018” से प्रतिस्थापित हो जाएगा।

(ग) खंड (ज) के पश्चात्, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

(1)

“(जक) “सूचीबद्ध (लिस्टिड) किए जाने के लिए प्रस्तावित” में असूचीगत (अनलिस्टिड) कंपनी की प्रतिभूतियाँ (सिक्यूरिटीज़) शामिल होंगी, यदि:

(i) ऐसी असूचीगत (अनलिस्टिड) कंपनी ने बोर्ड, स्टॉक एक्सचेंज (एक्सचेंजों) या कंपनी रजिस्ट्रार के पास, सूचीबद्धता (लिस्टिंग) के संबंध में, यथास्थिति, प्रस्ताव दस्तावेज (ऑफर डॉक्यूमेंट) या अन्य दस्तावेज दाखिल किए हों; या

(ii) ऐसी असूचीगत कंपनी किसी विलय (मर्जर) या सम्मेलन (अमैलगमेशन) के अनुसरण में सूचीबद्ध (लिस्टिड) हो रही हो और उसने कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत विलय या सम्मेलन की ऐसी स्कीम की प्रति दाखिल की हो;”

(घ) खंड (ढ) में, उप-खंड (vi) का लोप हो जाएगा।

(2) विनियम 3 में, -

(क) उप-विनियम (2) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“(2क) सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनी का निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) विनियम 8 के तहत बनाई गई “उचित प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) संहिता और आचार संहिता” के भागस्वरूप “विधिसम्मत प्रयोजनों” का निर्धारण करने के लिए एक नीति बनाएगा।”

(ख) उप-विनियम (2क) के पश्चात्, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

**“स्पष्टीकरण –** उदाहरण के प्रयोजनार्थ, शब्दों “विधिसम्मत प्रयोजन” में शामिल होगा - अंतरंग व्यक्ति (इनसाइडर) द्वारा सामान्य कारबार के दौरान भागीदारों (पार्टनर्स), सहयोगियों (कोलैबोरेटर्स), उधारदाताओं, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, मर्चेन्ट बैंकरों (बैंककारों), कानूनी सलाहकारों, लेखापरीक्षकों (ऑडिटर्स), दिवाला संबंधी पेशेवर व्यक्तियों (इन्सॉल्वेन्सी प्रोफेशनल्स) या अन्य सलाहकारों या परामर्शदाताओं के साथ अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी साझा करना, बशर्ते कि ऐसी जानकारी इन विनियमों के प्रतिषेधों से बचने आदि के लिए साझा न की गई हो।”

(ग) उप-विनियम (2क) के स्पष्टीकरण के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“(2ख) जिस किसी व्यक्ति को “विधिसम्मत प्रयोजन” के अनुसरण में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी प्राप्त हुई हो, उसे इन विनियमों के प्रयोजनार्थ “अंतरंग व्यक्ति” समझा जाएगा और ऐसे व्यक्तियों को इन विनियमों का पालन करते हुए ऐसी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी की गोपनीयता बनाए रखने के संबंध में विधिवत् सूचना दी जाएगी।”

(घ) उप-विनियम (3) में,

i. खंड (i) में, शब्द “जहाँ” के पश्चात् और शब्द “कंपनी” से पूर्व, शब्द तथा चिह्न “सूचीबद्ध (लिस्टिड)” अंतःस्थापित किए जाएंगे।

ii. खंड (i) में, शब्द “प्रस्तावित संव्यवहार” शब्दों “ऐसी जानकारी साझा करना” से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

iii. खंड (ii) में, शब्द “जहाँ” के पश्चात् और शब्द “कंपनी” से पूर्व, शब्द तथा चिह्न “सूचीबद्ध (लिस्टिड)” अंतःस्थापित किए जाएंगे।

iv. खंड (ii) में, शब्द “यह राय बनी हो कि प्रस्तावित संव्यवहार” शब्दों “यह राय बनी हो कि ऐसी जानकारी साझा करना” से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

v. खंड (ii) में, शब्द “अवधारित करे”, शब्दों तथा चिह्न “निर्धारित करे, ताकि उसमें सभी संबंधित तथा महत्वपूर्ण तथ्य पर्याप्त एवं निष्पक्ष रूप से शामिल हो जाएं” से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

vi. टिप्पण में, शब्द “यदि ऐसा” शब्दों “जब ऐसा करना निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) द्वारा प्राधिकृत किया जाता हो यदि ऐसी जानकारी साझा करना” से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।”

(ड) उप-विनियम (4) के पश्चात्, निम्नलिखित उप-विनियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“(5) निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) यह सुनिश्चित करेगा कि एक स्ट्रक्चर्ड डिजिटल डाटाबेस बनाए रखा जाए, जिसमें, यथास्थिति, ऐसे व्यक्तियों या एंटिटियों के नाम शामिल किए जाएं जिनके साथ इस विनियम के तहत जानकारी साझा की जाती हो और जिसमें स्थायी खाता संख्या या जहाँ स्थायी खाता संख्या उपलब्ध न हो वहाँ कानून (विधि) के अनुसार प्राधिकृत किसी अन्य पहचान संबंधी दस्तावेज की जानकारी शामिल की जाए। ऐसे डाटाबेस के संबंध में पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण आदि (जैसे टाइम स्टैम्पिंग और ऑडिट ट्रेल) भी लगाए जाएंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डाटाबेस के साथ कोई छेड़छाड़ न हो पाए।”

(3) विनियम 4 में,-

(क) उप-विनियम (1) में, परंतुक से पूर्व, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

**“स्पष्टीकरण** - यदि किसी व्यक्ति ने प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) में उस समय व्यापार किया हो (ट्रेडिंग की हो) जब उसके पास (उसके कब्जे में) अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी हो, तो उसके व्यापारों (ट्रेड) के बारे में यह मान लिया जाएगा कि उसने ऐसी जानकारी से प्रेरित होकर व्यापार किया था;”

(ख) उप-विनियम (1) में, परंतुक में, खंड (i) में, शब्द “संप्रवर्तकों” शब्दों और चिह्नों “अंतरंग व्यक्तियों (इनसाइडर्स)” से प्रतिस्थापित हो जाएगा।

(ग) उप-विनियम (1) में, परंतुक में, खंड (i) में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“परंतु यह कि ऐसी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी इन विनियमों के विनियम 3 के उप-विनियम (3) के तहत प्राप्त न की गई हो।”

(घ) उप-विनियम (1) में, परंतुक में, खंड (i) में, परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“परंतु यह और कि बाजार से परे (आफ-मार्केट) किए जाने वाले ऐसे व्यापारों (ट्रेड) की रिपोर्ट अंतरंग व्यक्तियों (इनसाइडर) द्वारा कंपनी को दो कार्य-दिवसों के भीतर दी जाएगी। प्रत्येक कंपनी ऐसे व्यापारों (ट्रेड) के विवरण उस स्टॉक एक्सचेंज को, प्रकटीकरण (डिस्क्लोज़र) प्राप्त होने से या ऐसी जानकारी के पता चलने से व्यापार के दो दिनों (ट्रेडिंग डे) के भीतर सूचित करेगी, जहाँ प्रतिभूतियाँ (सिक्यूरिटीज़) सूचीबद्ध (लिस्टिड) हों।”

(ङ) उप-विनियम (1) में, परंतुक में, निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात्:-

“(ii) लेनदेन (संव्यवहार / ट्रांजैक्शन) ब्लॉक डील विंडो व्यवस्था के माध्यम से ऐसे व्यक्तियों (जिन्होंने विनियम 3 का उल्लंघन न किया हो) के बीच हुआ जिनके पास अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी थी और दोनों पक्षकारों ने व्यापार (ट्रेड) का निर्णय सचेत होकर तथा सोच-समझकर लिया था;

परंतु यह कि ऐसी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी किसी भी व्यक्ति द्वारा इन विनियमों के विनियम 3 के उप-विनियम (3) के तहत प्राप्त न की गई हो।

(iii) संबंधित लेनदेन (संव्यवहार / ट्रांजैक्शन) सद्भावपूर्वक रूप से ऐसा लेनदेन करने की कानूनी या विनियामक (रेग्युलेटरी) बाध्यता के अनुसरण में किया गया था।

(iv) संबंधित लेनदेन (संव्यवहार / ट्रांजैक्शन) ऐसे स्टॉक ऑप्शनों के प्रयोग के अनुसरण में किया गया था, जिनके संबंध में प्रयोग कीमत (एक्सरसाइज़ प्राइस) लागू विनियमों का पालन करते हुए पहले से तय की गई थी।”

(च) उप-विनियम (1) में, परंतुक में, खंड (ii) तथा खंड (iii) क्रमशः खंड (v) तथा खंड (vi) के रूप में पुनःसंख्यांकित हो जाएंगे।

- (4) विनियम 5 में, उप-विनियम (3) में, निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किए जाएंगे:-

“परंतु यह कि व्यापारों (ट्रेड्स) की पूर्व-मंजूरी उस व्यापार (ट्रेड) के लिए अपेक्षित नहीं होगी, जो अनुमोदित (मंजूर) व्यापार योजना (ट्रेडिंग प्लान) के अनुसार किया गया हो।

परंतु यह और कि व्यापार पटल (ट्रेडिंग विंडो) संबंधी मानदंड और कौण्ट्रा ट्रेड संबंधी प्रतिबंध (निर्बंधन) उन व्यापारों (ट्रेड्स) के लिए लागू नहीं होंगे, जो अनुमोदित (मंजूर) व्यापार योजना (ट्रेडिंग प्लान) के अनुसार किए गए हों।”

- (5) विनियम 7 में, उप-विनियम (2) में, खंड (क) में, शब्द “कर्मचारी” शब्दों “पदाभिहित व्यक्ति” से प्रतिस्थापित हो जाएगा।

- (6) विनियम 9 में,

(क) उप-विनियम (1) में, शब्द तथा चिह्न “प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी का निदेशक बोर्ड और बाजार मध्यवर्ती, इन विनियमों के अनुपालन हेतु, अपने कर्मचारियों और अन्य संबद्ध व्यक्तियों द्वारा किये जाने वाले व्यापार (ट्रेडिंग) को विनियमित करने, उसका अनुश्रवण करने तथा उसकी रिपोर्ट देने के लिए एक आचार संहिता बनाएगा, जिसके अंतर्गत इन विनियमों की अनुसूची-ख में निर्धारित न्यूनतम मानकों को अपनाया जाएगा और साथ ही किसी भी प्रकार से इन विनियमों के उपबंधों के प्रभाव को कम नहीं किया जाएगा।” निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जाएंगे, अर्थात्:-

“प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी का निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) और प्रत्येक मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) का निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) या उसके संगठन का प्रमुख (प्रधान) यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी (चीफ एग्ज़िक्यूटिव ऑफिसर) या प्रबंध निदेशक (मैनेजिंग डायरेक्टर), उनके अनुमोदन (उनकी मंजूरी) से एक आचार संहिता, इन विनियमों के पालन हेतु, अपने पदाभिहित व्यक्तियों (डिसिग्रेटेड पर्सन्स) तथा पदाभिहित व्यक्तियों के सीधे नातेदारों द्वारा किए जाने वाले व्यापार (की जाने वाली ट्रेडिंग) को विनियमित (रेग्यूलेट) करने, उस पर नज़र रखने [उसका अनुश्रवण (उसे मॉनीटर) करने] तथा उसकी रिपोर्ट देने के लिए बनाएगा, और ऐसी आचार संहिता बनाते समय इन विनियमों की अनुसूची-ख (सूचीबद्ध कंपनी के मामले में) और अनुसूची-ग (मध्यवर्ती के मामले में) में निर्धारित न्यूनतम मानक अपनाए जाएं और साथ ही किसी भी प्रकार से इन विनियमों के प्रावधानों (उपबंधों) के प्रभाव को कम न किया जाए।”

- (ख) उप-विनियम (1) के पश्चात्, निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

**“स्पष्टीकरण-**शंका को दूर करने के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि जो मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) सूचीबद्ध (लिस्टेड) हों, उनसे यह अपेक्षित होगा कि वे आचार संहिता बनाएं, ताकि उनके पदाभिहित व्यक्तियों (डिसिग्रेटेड पर्सन्स) द्वारा किए जाने वाले व्यापार (की जाने वाली ट्रेडिंग) को विनियमित (रेग्यूलेट) किया जा सके, उस पर नज़र रखी जा सके [उसका अनुश्रवण (उसे मॉनीटर) किया जा सके] और उसकी रिपोर्ट दी जा सके, और ऐसी आचार संहिता बनाते समय अनुसूची-ख [उनकी अपनी प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) में व्यापार (ट्रेडिंग) से संबंधित] तथा अनुसूची-ग [अन्य प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) में व्यापार (ट्रेडिंग) से संबंधित] में निर्धारित न्यूनतम मानक अपनाए जाएं।”

- (ग) उप-विनियम (1) के टिप्पण में,

(i) शब्द “बाजार” का लोप हो जाएगा।

(ii) शब्द “अपने कर्मचारियों” शब्दों तथा चिह्नों “पदाभिहित व्यक्तियों (डिसिग्रेटेड पर्सन्स) तथा उनके सीधे नातेदारों” से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(iii) शब्द “अनुसूची” शब्द “अनुसूचियों” से प्रतिस्थापित हो जाएगा।

- (घ) उप-विनियम (2), निम्नलिखित शब्दों से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात्:-

“ऐसे प्रत्येक अन्य व्यक्ति, जिससे कारबारी क्रियाकलापों के दौरान अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी से संबंधित कामकाज देखना अपेक्षित हो, का निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) या उसके

संगठन का प्रमुख (के प्रमुख), इन विनियमों के पालन हेतु, अपने पदाभिहित व्यक्तियों (डिसिग्रेटेड पर्सन्स) तथा पदाभिहित व्यक्तियों के सीधे नातेदार द्वारा किए जाने वाले व्यापार (की जाने वाली ट्रेडिंग) को विनियमित (रेग्युलेट) करने, उस पर नज़र रखने [उसका अनुश्रवण (उसे मॉनीटर) करने] तथा उसकी रिपोर्ट देने के लिए एक आचार संहिता बनाएगा, और ऐसी आचार संहिता बनाते समय इन विनियमों की अनुसूची-ग में निर्धारित न्यूनतम मानक अपनाए जाएंगे और साथ ही किसी भी प्रकार से इन विनियमों के प्रावधानों (उपबंधों) के प्रभाव को कम नहीं किया जाएगा।

**स्पष्टीकरण** – इन विनियमों के प्रयोजनार्थ, सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनियों को सहायता प्रदान करने वाली या सलाह देने वाली व्यावसायिक फर्मों [जैसे लेखापरीक्षकों (ऑडिटर्स), एकाउंटेंसी फर्मों, विधि (लॉ) फर्मों, विश्लेषकों (एनालिस्ट), दिवाला संबंधी पेशेवर एंटिटियों, परामर्शदाताओं, बैंकों आदि] का उल्लेख सामूहिक रूप से वैश्वासिक एंटिटियों (फिड्यूशरी) के रूप में किया जाएगा।”

(ड) उप-विनियम (2) के पश्चात् दिया हुआ टिप्पण, निम्नलिखित शब्दों से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात्:-

“**टिप्पण** : इस प्रावधान का आशय सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनियों और मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरीज़) से भिन्न व्यक्तियों, जिनसे अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी से संबंधित कामकाज देखना अपेक्षित हो, के लिए यह अनिवार्य करना है कि वे अपने पदाभिहित व्यक्तियों द्वारा प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) में किए जाने वाले व्यापार (की जाने वाली ट्रेडिंग) को विनियमित करने हेतु एक आचार संहिता बनाएं। इन एंटिटियों में शामिल हैं - सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनियों को सहायता प्रदान करने वाली या सलाह देने वाली व्यवसायिक फर्में [जैसे लेखापरीक्षक (ऑडिटर्स), एकाउंटेंसी फर्में, विधि (लॉ) फर्में, विश्लेषक (एनालिस्ट), दिवाला संबंधी पेशेवर एंटिटियाँ, परामर्शदाता, बैंक आदि]। यहाँ तक कि ऐसी एंटिटियाँ भी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी से संबंधित कामकाज देख सकती हैं, जो सामान्यतः पूँजी बाजार के बाहर क्रियाशील हों। इस प्रावधान के अनुसार उन सभी को आचार संहिता बनानी होगी।”

(च) उप-विनियम (3) में, शब्द “बाजार मध्यवर्ती” शब्द “मध्यवर्ती” से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(छ) उप-विनियम (3) के पश्चात्, नया उप-विनियम (4) अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“(4) उप-विनियम (1) तथा (2) के प्रयोजनार्थ, निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) या ऐसी ही अन्य प्राधिकरण अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायंस ऑफिसर) के परामर्श से ऐसे पदाभिहित व्यक्तियों का निर्धारण, ज्येष्ठता एवं पेशेबद्ध पद के आधार पर करने के अलावा संगठन में उनकी भूमिका तथा कार्य के आधार पर और ऐसी भूमिका तथा कार्य के मद्देनज़र अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक उनकी पहुंच के आधार पर करेगा तथा जो आचार संहिता के दायरे में आएंगे और जिनमें शामिल होंगे:-

(i) ऐसी सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनी, मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) या वैश्वासिक एंटिटी (फिड्यूशरी) के कर्मचारी, जिन्हें उनके निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) या ऐसे ही निकाय (बॉडी) द्वारा संगठन में उनकी कार्यात्मक भूमिका के आधार पर या अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक उनकी पहुंच के आधार पर पदाभिहित किया गया हो;

(ii) ऐसी सूचीबद्ध कंपनियों की महत्वपूर्ण समनुषंगियों (सब्सिडियरी) के कर्मचारी, जिन्हें उनके निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) द्वारा संगठन में उनकी कार्यात्मक भूमिका के आधार पर या अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक उनकी पहुंच के आधार पर पदाभिहित किया गया हो;

(iii) सूचीबद्ध कंपनियों के सभी संप्रवर्तक (प्रोमोटर) और ऐसे संप्रवर्तक जो व्यक्ति हों अथवा मध्यवर्तियों या वैश्वासिक एंटिटियों (फिड्यूशरी) के लिए निवेश कंपनियाँ हों;

(iv) ऐसी सूचीबद्ध कंपनी, मध्यवर्ती, वैश्वासिक एंटिटी (फिड्यूशरी) और उसकी महत्वपूर्ण समनुषंगियों (सब्सिडियरी) का मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी से दो स्तर नीचे के कर्मचारी, फिर चाहे कंपनी में उनकी कार्यात्मक भूमिका जो भी हो या अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक उनकी पहुंच हो या न हो;

(v) सूचीबद्ध कंपनी, मध्यवर्ती या वैश्वासिक एंटिटी का कोई सहायक स्टाफ (कर्मि) जैसे आईटी स्टाफ या सेक्रेटरी स्तर का स्टाफ जिनकी पहुंच अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक हो।”

(7) विनियम 9 के पश्चात्, नया विनियम 9क अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

**“अंतरंग व्यापार (इनसाइडर ट्रेडिंग) को रोकने के लिए संस्थागत व्यवस्था**

9क. (1) सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनी, मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) या वैश्वासिक एंटीटी का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (चीफ एग्ज़िक्यूटिव ऑफिसर), प्रबंध निदेशक (मैनेजिंग डायरेक्टर) या ऐसा ही अन्य व्यक्ति, अंतरंग व्यापार (इनसाइडर ट्रेडिंग) को रोकने हेतु इन विनियमों में दी हुई अपेक्षाओं का पालन सुनिश्चित करने के लिए आंतरिक नियंत्रणों की पर्याप्त और कारगर व्यवस्था निर्धारित करेगा।

(2) आंतरिक नियंत्रणों में निम्नलिखित शामिल होंगे:

- क) उन सभी कर्मचारियों की पहचान पदाभिहित कर्मचारी के रूप में की जाए जिनकी पहुँच अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी तक हो;
- ख) समस्त अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी की पहचान की जाएगी और इन विनियमों की अपेक्षाओं के अनुसार उसकी गोपनीयता बनाई रखी जाएगी;
- ग) अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी की संसूचना या प्राप्ति के संबंध में पर्याप्त प्रतिबंध (निर्बंधन) लगाए जाएंगे, जैसा कि इन विनियमों के अनुसार अपेक्षित है;
- घ) उन सभी कर्मचारियों तथा अन्य व्यक्तियों की सूचियाँ बनाकर रखी जाएंगी जिनके साथ अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी साझा की जाती हो और गोपनीयता संबंधी करारों पर हस्ताक्षर करवाए जाएंगे या ऐसे सभी कर्मचारियों तथा व्यक्तियों को सूचना (नोटिस) की तामील कर दी जाएगी;
- ङ) इन विनियमों के तहत निर्धारित की गई अन्य समस्त संबंधित अपेक्षाओं का पालन किया जाएगा;
- च) ऐसे आंतरिक नियंत्रण कारगर हैं या नहीं इसका आकलन करने के लिए प्रक्रिया की समय-समय पर समीक्षा की जाएगी।

(3) प्रत्येक सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनी का निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) और मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरीज़) तथा वैश्वासिक एंटीटियों (फिड्यूशरी) का निदेशक मंडल या उनके संगठन का प्रमुख (के प्रमुख) यह सुनिश्चित करेगा (करेंगे) कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी या प्रबंध निदेशक या ऐसा ही अन्य व्यक्ति विनियम 9 और इस विनियम के उप-विनियम (1) एवं (2) का पालन सुनिश्चित करते हैं।

(4) सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनी की लेखापरीक्षा समिति (ऑडिट कमिटी) अथवा मध्यवर्ती या वैश्वासिक एंटीटी (फिड्यूशरी) के लिए ऐसा ही अन्य निकाय (बॉडी) एक वित्तीय वर्ष में कम से कम एक बार इन विनियमों के प्रावधानों (उपबंधों) के पालन की समीक्षा करेगा और यह सत्यापित करेगा कि आंतरिक नियंत्रण की व्यवस्थाएँ पर्याप्त हैं और कारगर ढंग से काम कर रही हैं।

(5) प्रत्येक सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के लीक होने या अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के लीक होने का संदेह होने के मामले में जाँच हेतु लिखित रूप में नीतियाँ और प्रक्रियाएँ बनाएगी, जिनकी मंजूरी कंपनी के निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) द्वारा दी जाएगी और तदनुसार वह अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के लीक होने का पता चलने पर या अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के लीक होने का संदेह होने पर उपयुक्त जाँच शुरू करेगी और इस प्रकार जानकारी के लीक होने, इस प्रकार की जाने वाली जाँचों और इस प्रकार की जाने वाली जाँचों के परिणामों की सूचना बोर्ड को तुरंत देगी।

(6) सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनी के यहाँ पर्दाफाश करने (व्हिसल-ब्लोअर) संबंधी नीति होगी और वह कर्मचारियों को ऐसी नीति से अवगत कराएगी, ताकि कर्मचारी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के लीक होने की घटनाओं आदि की रिपोर्ट कर सकें।

(7) यदि अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के लीक होने या अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी के लीक होने का संदेह होने के मामले में सूचीबद्ध कंपनी द्वारा जाँच शुरू की गई हो, तो

संबंधित मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) और वैश्वासिक एंटिटियाँ (फिड्यूशरी) सूचीबद्ध कंपनी द्वारा की जा रही ऐसी जाँच के संबंध में सूचीबद्ध कंपनी को सहयोग करेगी।”

(8) अनुसूची-ख में,

(क) परिवर्णन निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात्-

“[विनियम 9 का उप-विनियम (1) देखें]

**पदाभिहित व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले व्यापार (की जाने वाली ट्रेडिंग) को विनियमित (रेग्युलेट) करने, उस पर नज़र रखने [उसका अनुश्रवण (उसे मॉनीटर) करने] तथा उसकी रिपोर्ट देने के संबंध में सूचीबद्ध कंपनियों के लिए आचार संहिता हेतु न्यूनतम मानक”**

(ख) खंड (1) में, शब्द “किया जाए”, शब्दों और चिह्न “किया जाए, परंतु वर्ष में एक बार से कम नहीं” से प्रतिस्थापित हो जाएंगे।

(ग) खंड (2) में, शब्दों “अंतरंग व्यक्ति के” और “उसकी” का लोप हो जाएगा।

(घ) खंड (3) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात्:

“संगठन में पदाभिहित व्यक्ति और पदाभिहित व्यक्तियों के सीधे नातेदार प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) में व्यौहार (डीलिंग) को विनियमित करने वाली आंतरिक आचार संहिता द्वारा विनियमित होंगे।”

(ङ) खंड (4) में, शब्द और चिह्न “नहीं करेंगे।” के पश्चात् निम्नलिखित अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“व्यापार (ट्रेडिंग) पर प्रतिबंध (निर्बंधन) की अवधि को प्रत्येक तिमाही की समाप्ति से वित्तीय परिणामों की घोषणा होने के बाद 48 घंटों तक लागू किया जा सकता है।

लेखापरीक्षा समिति (ऑडिट कमिटी) द्वारा लेखों (अकाउंट्स) को मंजूरी प्रदान किए जाने और बोर्ड की बैठक होने के बीच का समय-अंतराल जितना संभव हो सके उतना कम होना चाहिए, और महत्वपूर्ण जानकारी को लीक होने से बचाने के लिए बेहतर यही रहेगा कि वे एक ही दिन हो जाएं।”

(च) खंड (5) में, शब्दों तथा चिह्नों “व्यापार पटल (ट्रेडिंग विंडो) ऐसे किसी व्यक्ति के लिए भी लागू होगा जिसका कंपनी के साथ संविदात्मक या वैश्वासिक संबंध हो, जैसा लेखापरीक्षक (ऑडिटर), अकाउंटेंसी फर्म, विधि (लॉ) फर्म, विश्लेषक, परामर्शदाता, आदि जो कंपनी की सहायता करते हों या को सलाह देते हों” का लोप हो जाएगा।

(छ) खंड (6) में, शब्दों तथा चिह्नों “कोई भी पदाभिहित व्यक्ति किसी प्रस्तावित व्यापार (ट्रेड) की पूर्व-मंजूरी के लिए आवेदन नहीं करेगा यदि ऐसे पदाभिहित व्यक्ति के कब्जे में अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी हो फिर भले ही व्यापार (ट्रेडिंग विंडो) बंद न हुआ हो।” का लोप हो जाएगा।

(ज) खंड (7) का लोप हो जाएगा।

(झ) खंड (10) में, खंड का परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:

“परंतु यह कि यह स्टॉक ऑप्शनों (विकल्पों) का प्रयोग करने के अनुसरण में किए जाने वाले व्यापारों (ट्रेड्स) हेतु लागू नहीं होगा।”

(ञ) खंड (11) में, शब्दों तथा चिह्नों “, ऐसे निर्णयों (विनिश्चयों) के कारणों को अभिलिखित करने के संबंध में” का लोप हो जाएगा।

(ट) खंड (12) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात्:

“12. अधिनियम के तहत बोर्ड की शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, आचार संहिता में ऐसी अनुशास्तियों (सैंक्शन्स) और अनुशासनिक कार्रवाइयों का उल्लेख होगा, जिनमें शामिल हैं – वेतन आदि पर रोक, निलंबन, वसूली, क्लॉबैक आदि, जो उस सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनी द्वारा, आचार

संहिता के उल्लंघन के लिए, अधिरोपित की (लगाई) जा सकेगी, जिस सूचीबद्ध कंपनी से विनियम 9 के उप-विनियम (1) के तहत आचार संहिता बनाना अपेक्षित है।”

(ठ) खंड (13) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जाएगा, अर्थात्:

“13. आचार संहिता में यह उल्लेख होगा कि यदि उस सूचीबद्ध (लिस्टेड) कंपनी द्वारा, जिससे विनियम 9 के उप-विनियम (1) के तहत आचार संहिता बनाना अपेक्षित है, यह पाया जाए कि इन विनियमों का उल्लंघन हुआ है, तो वह बोर्ड को तुरंत सूचित करेगी।”

(ड) खंड (13) के पश्चात्, नया खंड (14) अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“14. पदाभिहित व्यक्तियों से यह अपेक्षित होगा कि वे कंपनी को निम्नलिखित व्यक्तियों के नाम तथा स्थायी खाता संख्या (पैन) या कानून (विधि) के अनुसार प्राधिकृत किसी अन्य पहचान संबंधी दस्तावेज की जानकारी, वार्षिक आधार पर तथा जब कभी भी इस जानकारी में बदलाव हो, प्रकट करें:

(क) सीधे नातेदार

(ख) वे व्यक्ति जिनके साथ ऐसे पदाभिहित व्यक्ति (व्यक्तियों) का महत्वपूर्ण वित्तीय संबंध हो

(ग) उनके द्वारा इस्तेमाल में लाए जा रहे फोन, मोबाइल, सैल नंबर

इसके अलावा, उन शैक्षणिक संस्थाओं के नाम, जहाँ से पदाभिहित व्यक्तियों ने स्नातक किया हो, और उनके पुराने नियोक्ताओं (जिनके यहाँ वे पहले कार्य करते थे) के नाम भी एक बार प्रकट किए जाएं।

स्पष्टीकरण – शब्दों “महत्वपूर्ण वित्तीय संबंध” से ऐसा संबंध अभिप्रेत होगा जिसमें कोई व्यक्ति ठीक पहले के बारह महीनों के दौरान किसी भी प्रकार का भुगतान (जैसे ऋण या उपहार के माध्यम से मिलने वाला भुगतान), जो ऐसे भुगतानकर्ता की वार्षिक आय के कम से कम 25% के बराबर हो, प्राप्त करता हो, किंतु इसमें वे संबंध शामिल नहीं होंगे जिनमें भुगतान समुचित दूरी कायम रखते हुए किए जाने वाले लेनदेनों (संव्यवहार / ट्रांजैक्शन्स) के आधार पर किया जाता हो।”

(ढ) खंड (14) के पश्चात्, नया खंड (15) अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:-

“15. सूचीबद्ध (लिस्टेड) एंटिटियों की ऐसी प्रक्रिया होगी, जिसके अनुसार यह निर्धारित किया जाएगा कि संवेदनशील लेनदेनों (संव्यवहारों / ट्रांजैक्शन्स) के संबंध में लोगों को कैसे और कब अंतरंग जानकारी दी जाएगी। व्यक्तियों को अंतरंग जानकारी प्राप्त करने से जुड़े कर्तव्यों तथा जिम्मेदारियों से अवगत कराया जाएगा, और ऐसी जानकारी के गलत उपयोग या अनधिकृत उपयोग से जुड़े दायित्व से भी अवगत कराया जाएगा।”

(9) अनुसूची-ख के पश्चात्, अनुसूची-ग अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात्:-

#### **“अनुसूची-ग**

*[विनियम 9 का उप-विनियम (1) एवं उप-विनियम (2) देखें]*

**पदाभिहित व्यक्तियों द्वारा किए जाने वाले द्वारा व्यापार (की जाने वाली ट्रेडिंग) को विनियमित (रेग्युलेट) करने, उस पर नज़र रखने [उसका अनुश्रवण (उसे मॉनीटर) करने] तथा उसकी रिपोर्ट देने के संबंध में मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरीज़) एवं वैश्वासिक एंटिटियों (फिड्यूशरी) के लिए आचार संहिता हेतु न्यूनतम मानक**

1. अनुपालन अधिकारी (कम्प्लायन्स ऑफिसर) निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) या संगठन के प्रमुख (प्रमुखों) [या इस संबंध में गठित की गई समिति] को रिपोर्ट करेगा और खास तौर पर, लेखापरीक्षा (ऑडिट) समिति या ऐसे ही अन्य निकाय (बॉडी), यदि कोई हो, के अध्यक्ष को अथवा निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) के अध्यक्ष या संगठन के प्रमुख (प्रमुखों) को ऐसे अंतराल पर रिपोर्टें देगा, जैसा निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) या संगठन के प्रमुख (प्रमुखों) द्वारा नियत किया जाए, किंतु वर्ष में एक बार से कम नहीं।

2. समस्त जानकारी संगठन के भीतर ही, जानने की आवश्यकता के आधार पर, दी जाएगी और कोई भी अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी किसी व्यक्ति को सूचित (संसूचित) नहीं की



जाएगी, सिवाय वहाँ जहाँ ऐसी सूचना (संसूचना) विधिसम्मत प्रयोजनों, कर्तव्यों के पालन या विधिक बाध्यताओं के निर्वहन हेतु हो। आचार संहिता में चाइनीज़ बॉल संबंधी उपयुक्त प्रक्रियाओं हेतु मानक, और किसी पदाभिहित व्यक्ति को "क्रॉस द बॉल" हेतु अनुमति देने संबंधी प्रक्रियाएँ शामिल होंगी।

3. संगठन में पदाभिहित व्यक्ति और पदाभिहित व्यक्तियों के सीधे नातेदार प्रतिभूतियों (सिक्यूरिटीज़) में व्यौहार (डीलिंग) को विनियमित करने वाली आंतरिक आचार संहिता द्वारा विनियमित होंगे।

4. पदाभिहित व्यक्ति इन विनियमों के पालन (अनुपालन) के अध्यक्षीन व्यापार (ट्रेड) कर सकेंगे। पदाभिहित व्यक्तियों द्वारा किया जाने वाला व्यापार (ट्रेडिंग) अनुपालन अधिकारी (अधिकारियों) की पूर्व-मंजूरी के अध्यक्षीन होगा, यदि प्रस्तावित व्यापारों (ट्रेड) का मूल्य ऐसी सीमाओं (सीमा-रेखा / थ्रेसहोल्ड) से अधिक हो, जो निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) या संगठन का प्रमुख (के प्रमुख) निर्धारित करे (करें)। कोई भी पदाभिहित व्यक्ति किसी प्रस्तावित व्यापार (ट्रेड) की पूर्व-मंजूरी के लिए आवेदन नहीं करेगा, यदि ऐसे पदाभिहित व्यक्ति के पास (के कब्जे में) अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी हो फिर भले ही व्यापार पटल (ट्रेडिंग विंडो) बंद न हुआ हो।

5. अनुपालन अधिकारी गोपनीय रूप से ऐसी प्रतिभूतियों की सूची "निर्बंधित सूची" के रूप में रखेगा, जिसका इस्तेमाल व्यापारों (ट्रेड) की पूर्व-मंजूरी के आवेदनों को मंजूर करने या नामंजूर करने के आधार के तौर पर किया जाएगा।

6. किन्हीं व्यापारों (ट्रेड) को मंजूरी प्रदान करने (अनुमोदित करने) से पूर्व, अनुपालन अधिकारी इस आशय की घोषणाएँ माँगेगा कि पूर्व-मंजूरी हेतु आवेदन करने वाले आवेदक के पास (के कब्जे में) कोई अप्रकाशित कीमत संवेदनशील जानकारी नहीं है। वह इस बात पर भी ध्यान देगा कि क्या कोई ऐसी घोषणा तर्कसंगत रूप से गलत ठहराई जा सकने योग्य है।

7. आचार संहिता में किसी ऐसी उपयुक्त समय-सीमा का उल्लेख होगा, जो किसी भी दशा में व्यापार के सात दिनों (ट्रेडिंग डे) से अधिक नहीं होगी, जिसके भीतर पदाभिहित व्यक्ति को वे व्यापार (ट्रेड) करने होंगे जिनके लिए पूर्व-मंजूरी दी जा चुकी हो, ऐसा न होने की स्थिति में किए जाने वाले व्यापारों (ट्रेड) के लिए फिर से पूर्व-मंजूरी लेनी होगी।

8. आचार संहिता में उस अवधि का उल्लेख होगा, जो किसी भी दशा में छह महीनों से कम की नहीं होगी, जिसके भीतर वह पदाभिहित व्यक्ति, जो सूचीबद्ध (लिस्टिड) कंपनी का संबद्ध व्यक्ति हो और जिसे ऐसी सूचीबद्ध कंपनी की प्रतिभूतियों में व्यापार (ट्रेड) करने की अनुमति हो, कॉण्ट्रा ट्रेड नहीं करेगा। अनुपालन अधिकारी को यह शक्ति दी जा सकेगी कि वह, ऐसे कारणों से जो लिखित रूप में रिकॉर्ड (अभिलिखित) किए जाएँ, ऐसे प्रतिबंध (निर्बंधन) को कड़ाई से लागू करने के संबंध में ढील दे सकेगा (को शिथिल कर सकेगा), बशर्ते कि इस प्रकार ढील दिए (शिथिल किए) जाने से इन विनियमों का उल्लंघन न हो। अगर कॉण्ट्रा ट्रेड, चाहे अनजाने में या अन्यथा, ऐसे प्रतिबंध (निर्बंधन) का उल्लंघन करके किया जाए, तो ऐसे व्यापार (ट्रेड) से होने वाले मुनाफे (लाभ) बोर्ड को प्रत्यर्पित किए (लौटाए) जाने के दायी होंगे, ताकि उन्हें निवेशक संरक्षण और शिक्षण निधि, जिसका संचालन अधिनियम के तहत बोर्ड द्वारा किया जाता है, में जमा किया जा सके :

परंतु यह कि यह स्टॉक ऑप्शनों के प्रयोग के अनुसरण में किए जाने वाले व्यापारों (ट्रेड्स) हेतु लागू नहीं होगा।

9. आचार संहिता में ऐसे फॉर्मेट निर्धारित होंगे, जो निदेशक मंडल (निदेशक बोर्ड) या संगठन का प्रमुख (के प्रमुख) [या इस संबंध में गठित की गई समिति] - पूर्व-मंजूरी के लिए आवेदन करने के संबंध में, किए गए व्यापारों (ट्रेड) की रिपोर्ट देने के संबंध में, पूर्व-मंजूरी प्राप्त करने के पश्चात् व्यापार (ट्रेड) न करने के निर्णयों (विनिश्चयों) की रिपोर्ट देने के संबंध में, ऐसे निर्णयों (विनिश्चयों) के कारणों को अभिलिखित (रिकॉर्ड) करने के संबंध में और ऐसे अंतरालों (जो आवश्यकतानुसार

निर्धारित किए जाएँ) पर प्रतिभूतियों (सिक्क्यूरिटीज़) में धारिताओं (होलिंग्स) के रिपोर्टिंग लैवल (स्तर) के संबंध में, इन विनियमों के पालन पर नज़र रखने [का अनुश्रवण (को मॉनीटर) करने] के लिए आवश्यक समझे।

10. अधिनियम के तहत बोर्ड की शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, आचार संहिता में ऐसी अनुशास्तियों (सैंक्शन्स) और अनुशासनिक कार्रवाइयों का उल्लेख होगा, जिनमें शामिल हैं – वेतन आदि पर रोक, निलंबन, वसूली, क्लॉबैक आदि, जो उस मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) या वैश्वासिक एंटीटी (फिड्यूशरी) द्वारा, आचार संहिता के उल्लंघन के लिए, अधिरोपित की (लगाई) जा सकेंगी, जिस मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) या वैश्वासिक एंटीटी से विनियम 9 के उप-विनियम (1) तथा उप-विनियम (2) के तहत आचार संहिता बनाना अपेक्षित है।

11. आचार संहिता में यह उल्लेख होगा कि यदि उस मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) या वैश्वासिक एंटीटी (फिड्यूशरी) द्वारा, जिससे विनियम 9 के क्रमशः उप-विनियम (1) या उप-विनियम (2) के तहत आचार संहिता बनाना अपेक्षित है, यह पाया जाए कि इन विनियमों का उल्लंघन हुआ है, तो ऐसा मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) या ऐसी वैश्वासिक एंटीटी बोर्ड को तुरंत सूचित करेगी।

12. सभी पदाभिहित व्यक्तियों से यह अपेक्षित होगा कि वे मध्यवर्ती (इंटरमीडियरी) या वैश्वासिक एंटीटी को निम्नलिखित व्यक्तियों के नाम तथा स्थायी खाता संख्या (पैन) या कानून (विधि) के अनुसार प्राधिकृत किसी अन्य पहचान संबंधी दस्तावेज की जानकारी, वार्षिक आधार पर तथा जब कभी भी इस जानकारी में बदलाव हो, प्रकट करें:

क) सीधे नातेदार

ख) वे व्यक्ति जिनके साथ ऐसे पदाभिहित व्यक्ति (व्यक्तियों) का महत्वपूर्ण वित्तीय संबंध हो

ग) उनके द्वारा इस्तेमाल में लाए जा रहे फोन, मोबाइल, सैल नंबर

इसके अलावा, उन शैक्षणिक संस्थाओं के नाम, जहाँ से पदाभिहित व्यक्तियों ने शिक्षा प्राप्त की हो, और उनके पुराने नियोक्ताओं (जिनके यहाँ वे पहले कार्य करते थे) के नाम भी एक बार प्रकट किए जाएंगे।

**स्पष्टीकरण**—शब्दों “महत्वपूर्ण वित्तीय संबंध” से ऐसा संबंध अभिप्रेत होगा जिसमें कोई व्यक्ति ठीक पहले के बारह महीनों के दौरान किसी भी प्रकार का भुगतान (जैसे ऋण या उपहार के माध्यम से मिलने वाला भुगतान), जो ऐसे भुगतानकर्ता की वार्षिक आय के कम से कम 25% के बराबर हो, प्राप्त करता हो, किंतु इसमें वे संबंध शामिल नहीं होंगे जिनमें भुगतान समुचित दूरी कायम रखते हुए किए जाने वाले लेनदेनों (संव्यवहार / ट्रांजैक्शन्स) के आधार पर किया जाता हो।

13. मध्यवर्तियों (इंटरमीडियरी) और वैश्वासिक एंटीटियों की ऐसी प्रक्रिया होगी, जिसके अनुसार यह निर्धारित किया जाएगा कि संवेदनशील लेनदेनों (संव्यवहारों / ट्रांजैक्शन्स) के संबंध में लोगों को कैसे और कब अंतरंग जानकारी दी जाएगी। व्यक्तियों को अंतरंग जानकारी प्राप्त करने से जुड़े कर्तव्यों तथा जिम्मेदारियों से अवगत कराया जाएगा, और ऐसी जानकारी के गलत उपयोग या अनधिकृत उपयोग से जुड़े दायित्व से भी अवगत कराया जाएगा।”

अजय त्यागी, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III/4/असा./475/18]

#### पाद टिप्पण:

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 2015, सं. एल.ए.डी.डी./एन.आर.ओ./जी.एन./2014-15/21/85 द्वारा, 15 जनवरी 2015 को भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे।

## SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

## NOTIFICATION

Mumbai, the 31<sup>st</sup> December, 2018

## SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

## (PROHIBITION OF INSIDER TRADING) (AMENDMENT) REGULATIONS, 2018

**No. SEBI/LAD-NRO/GN/2018/59.**—In exercise of the powers conferred under Section 30 read with Clause (g) of Sub-section (2) of Section 11 and Clause (d) and Clause (e) of Section 12A of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations to amend the Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015, namely:

1. These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) (Amendment) Regulations, 2018.

They shall come into force on April 01, 2019.

2. In the Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015,

- (1) in regulation 2, in sub-regulation (1),

- (a) in clause (c), following explanation shall be inserted at the end, namely:-

**“Explanation**—For the purpose of this regulation, “financially literate” shall mean a person who has the ability to read and understand basic financial statements i.e. balance sheet, profit and loss account, and statement of cash flows.”

- (b) in clause (h), the numbers “2009” shall be substituted with the numbers “2018”

- (c) after clause (h), following clause shall be inserted, namely:-

“(ha) “proposed to be listed” shall include securities of an unlisted company:

(i) if such unlisted company has filed offer documents or other documents, as the case may be, with the Board, stock exchange(s) or registrar of companies in connection with the listing; or

(ii) if such unlisted company is getting listed pursuant to any merger or amalgamation and has filed a copy of such scheme of merger or amalgamation under the Companies Act, 2013; ”

- (d) in clause (n), sub-clause (vi) shall be omitted.

- (2) in regulation 3,-

- (a) after sub-regulation (2), following sub-regulation shall be inserted, namely:-

“(2A) The board of directors of a listed company shall make a policy for determination of “legitimate purposes” as a part of “Codes of Fair Disclosure and Conduct” formulated under regulation 8.”

- (b) after sub-regulation (2A), following explanation shall be inserted, namely:-

**“Explanation**—For the purpose of illustration, the term “legitimate purpose” shall include sharing of unpublished price sensitive information in the ordinary course of business by an insider with partners, collaborators, lenders, customers, suppliers, merchant bankers, legal advisors, auditors, insolvency professionals or other advisors or consultants, provided that such sharing has not been carried out to evade or circumvent the prohibitions of these regulations.”

- (c) after explanation to sub-regulation (2A), following sub-regulation shall be inserted, namely:-

“(2B) Any person in receipt of unpublished price sensitive information pursuant to a “legitimate purpose” shall be considered an “insider” for purposes of these regulations and due notice shall be given to such persons to maintain confidentiality of such unpublished price sensitive information in compliance with these regulations.”

- (d) in sub-regulation (3),

i. in clause (i) after the word “the” and before the words “company is” the word “listed” shall be inserted.

ii. in clause (i) the words “the proposed transaction” shall be substituted with the words “sharing of such information”.

iii. in clause (ii) after the word “the” and before the words “company is” the word “listed” shall be inserted.

iv. in clause (ii) the words “that the proposed transaction” shall be substituted with the words “that sharing of such information”.

v. in clause (ii), after the word “determine”, following shall be inserted, namely:-

“to be adequate and fair to cover all relevant and material facts”

vi. in the Note, the words “if it” shall be substituted with the words, “when authorised by the board of directors if sharing of such information”

- (e) after sub-regulation (4), following sub-regulation shall be inserted, namely:-

“(5) The board of directors shall ensure that a structured digital database is maintained containing the names of such persons or entities as the case may be with whom information is shared under this regulation along with the Permanent Account Number or any other identifier authorized by law where Permanent Account Number is not available. Such databases shall be maintained with adequate internal controls and checks such as time stamping and audit trails to ensure non-tampering of the database.”

- (3) in regulation 4,-

- (a) in sub-regulation (1), before the proviso, following explanation shall be inserted, namely:-

**“Explanation-** When a person who has traded in securities has been in possession of unpublished price sensitive information, his trades would be presumed to have been motivated by the knowledge and awareness of such information in his possession;”

(b) in sub-regulation (1), in proviso, in clause (i), the word “promoters” shall be substituted with the word “insiders”

(c) in sub-regulation (1), in proviso, in clause (i), following proviso shall be inserted, namely:-

“Provided that such unpublished price sensitive information was not obtained under sub-regulation (3) of regulation 3 of these regulations.”

(d) in sub-regulation (1), in proviso, in clause (i), after the proviso following proviso shall be inserted, namely:-

“Provided further that such off-market trades shall be reported by the insiders to the company within two working days. Every company shall notify the particulars of such

trades to the stock exchange on which the securities are listed within two trading days from receipt of the disclosure or from becoming aware of such information."

(e) in sub-regulation (1), in proviso, after clause (i), following clauses shall be inserted, namely:-

“(ii) the transaction was carried out through the block deal window mechanism between persons who were in possession of the unpublished price sensitive information without being in breach of regulation 3 and both parties had made a conscious and informed trade decision;

Provided that such unpublished price sensitive information was not obtained by either person under sub-regulation (3) of regulation 3 of these regulations.

(iii) the transaction in question was carried out pursuant to a statutory or regulatory obligation to carry out a bona fide transaction.

(iv) the transaction in question was undertaken pursuant to the exercise of stock options in respect of which the exercise price was pre-determined in compliance with applicable regulations.”

(f) in sub-regulation (1), in proviso, clause (ii) and clause (iii) shall be renumbered as clause (v) and clause (vi), respectively.

(4) in regulation 5, in sub-regulation (3), following provisos shall be inserted, namely:-

“Provided that pre-clearance of trades shall not be required for a trade executed as per an approved trading plan.

Provided further that trading window norms and restrictions on contra trade shall not be applicable for trades carried out in accordance with an approved trading plan.”

(5) in regulation 7, in sub-regulation (2), in clause (a), the word “employee” shall be substituted with the words “designated person”.

(6) in regulation 9,

(a) in sub regulation (1),

(i) the words “market intermediary” shall be substituted with the words “the board of directors or head(s) of the organisation of every intermediary shall ensure that the chief executive officer or managing director”.

(ii) after the word “conduct” and before the word “to”, the words “with their approval” shall be inserted.

(iii) after the word "its" and before the word "towards" the words “employees and other connected persons” shall be substituted with the words “designated persons and immediate relatives of designated persons”.

(iv) after the word “Schedule B” and before the word “to” the following shall be inserted, namely:-

“(in case of a listed company) and Schedule C (in case of a intermediary)”

(b) after sub-regulation (1), the following explanation shall be inserted, namely:-

**“Explanation**—For the avoidance of doubt it is clarified that intermediaries, which are listed, would be required to formulate a code of conduct to regulate, monitor and report trading by their designated persons, by adopting the minimum standards set out in Schedule B with respect to trading in their own securities and in Schedule C with respect to trading in other securities.”

(c) in the Note to sub-regulation (1),

(i) the word "market intermediary" shall be substituted with the word "intermediary".

(ii) the words "its employees" shall be substituted with the words "designated persons and their immediate relatives"

(iii) the word "schedule" shall be substituted with the word "schedules".

(d) sub-regulation (2), shall be substituted with following words, namely:-

"The board of directors or head(s) of the organisation, of every other person who is required to handle unpublished price sensitive information in the course of business operations shall formulate a code of conduct to regulate, monitor and report trading by their designated persons and immediate relative of designated persons towards achieving compliance with these regulations, adopting the minimum standards set out in Schedule C to these regulations, without diluting the provisions of these regulations in any manner.

**Explanation** - Professional firms such as auditors, accountancy firms, law firms, analysts, insolvency professional entities, consultants, banks etc., assisting or advising listed companies shall be collectively referred to as fiduciaries for the purpose of these regulations."

(e) the Note after sub-regulation (2), shall be substituted with following words, namely:-

**"NOTE:** This provision is intended to mandate persons other than listed companies and intermediaries that are required to handle unpublished price sensitive information to formulate a code of conduct governing trading in securities by their designated persons. These entities include professional firms such as auditors, accountancy firms, law firms, analysts, insolvency professional entities, consultants, banks etc., assisting or advising listed companies. Even entities that normally operate outside the capital market may handle unpublished price sensitive information. This provision would mandate all of them to formulate a code of conduct."

(f) in sub-regulation (3), the words "market intermediary" shall be substituted with the word "intermediary".

(g) after sub-regulation (3), a new sub-regulation (4) shall be inserted, namely:-

"(4) For the purpose of sub regulation (1) and (2), the board of directors or such other analogous authority shall in consultation with the compliance officer specify the designated persons to be covered by the code of conduct on the basis of their role and function in the organisation and the access that such role and function would provide to unpublished price sensitive information in addition to seniority and professional designation and shall include:-

(i) Employees of such listed company, intermediary or fiduciary designated on the basis of their functional role or access to unpublished price sensitive information in the organization by their board of directors or analogous body;

(ii) Employees of material subsidiaries of such listed companies designated on the basis of their functional role or access to unpublished price sensitive information in the organization by their board of directors;

(iii) All promoters of listed companies and promoters who are individuals or investment companies for intermediaries or fiduciaries;

(iv) Chief Executive Officer and employees upto two levels below Chief Executive Officer of such listed company, intermediary, fiduciary and its material subsidiaries irrespective of their functional role in the company or ability to have access to unpublished price sensitive information;

(v) Any support staff of listed company, intermediary or fiduciary such as IT staff or secretarial staff who have access to unpublished price sensitive information.”

(7) after regulation 9, a new regulation 9A shall be inserted, namely:-

**“Institutional Mechanism for Prevention of Insider trading.**

9A. (1) The Chief Executive Officer, Managing Director or such other analogous person of a listed company, intermediary or fiduciary shall put in place adequate and effective system of internal controls to ensure compliance with the requirements given in these regulations to prevent insider trading.

(2) The internal controls shall include the following:

- a) all employees who have access to unpublished price sensitive information are identified as designated employee;
- b) all the unpublished price sensitive information shall be identified and its confidentiality shall be maintained as per the requirements of these regulations;
- c) adequate restrictions shall be placed on communication or procurement of unpublished price sensitive information as required by these regulations;
- d) lists of all employees and other persons with whom unpublished price sensitive information is shared shall be maintained and confidentiality agreements shall be signed or notice shall be served to all such employees and persons;
- e) all other relevant requirements specified under these regulations shall be complied with;
- f) periodic process review to evaluate effectiveness of such internal controls.

(3) The board of directors of every listed company and the board of directors or head(s) of the organisation of intermediaries and fiduciaries shall ensure that the Chief Executive Officer or the Managing Director or such other analogous person ensures compliance with regulation 9 and sub-regulations (1) and (2) of this regulation.

(4) The Audit Committee of a listed company or other analogous body for intermediary or fiduciary shall review compliance with the provisions of these regulations at least once in a financial year and shall verify that the systems for internal control are adequate and are operating effectively.

(5) Every listed company shall formulate written policies and procedures for inquiry in case of leak of unpublished price sensitive information or suspected leak of unpublished price sensitive information, which shall be approved by board of directors of the company and accordingly initiate appropriate inquiries on becoming aware of leak of unpublished price sensitive information or suspected leak of unpublished price sensitive information and inform the Board promptly of such leaks, inquiries and results of such inquiries.

(6) The listed company shall have a whistle-blower policy and make employees aware of such policy to enable employees to report instances of leak of unpublished price sensitive information.

(7) If an inquiry has been initiated by a listed company in case of leak of unpublished price sensitive information or suspected leak of unpublished price sensitive information, the relevant intermediaries and fiduciaries shall co-operate with the listed company in connection with such inquiry conducted by listed company.”

- (8) in SCHEDULE B,
- (a) in the recital, the words “*and sub-regulation (2)*” shall be omitted.
  - (b) in the recital, after the word “**Conduct**” and before the word “**to**”, the words “**for Listed Companies**” shall be inserted.
  - (c) in the recital, the word “**Insiders**” shall be substituted with the words “**Designated Persons**”.
  - (d) in clause (1), after the word “directors” and before full stop, the words “, but not less than once in a year” shall be inserted.
  - (e) in clause (2), the words “the insider’s” and “his” shall be omitted.
  - (f) in clause (3), the words “Employees and connected persons designated on the basis of their functional role (“Designated persons”)” shall be substituted with the words “Designated Persons and immediate relatives of designated persons”.
  - (g) in clause (3), the words “The board of directors shall in consultation with the compliance officer(s) specify the designated persons to be covered by such code on the basis of their role and function in the organisation. Due regard shall be had to the access that such role and function would provide to unpublished price sensitive information in addition to seniority and professional designation” shall be omitted.
  - (h) in clause (4), after the word “closed.” following shall be inserted, namely:-

“Trading restriction period can be made applicable from the end of every quarter till 48 hours after the declaration of financial results.

The gap between clearance of accounts by audit committee and board meeting should be as narrow as possible and preferably on the same day to avoid leakage of material information.”
  - (i) in clause (5), the phrase “The trading window shall also be applicable to any person having contractual or fiduciary relation with the company, such as auditors, accountancy firms, law firms, analysts, consultants etc., assisting or advising the company.” shall be omitted.
  - (j) in clause (6), the words “No designated person shall apply for pre-clearance of any proposed trade if such designated person is in possession of unpublished price sensitive information even if the trading window is not closed.” shall be omitted.
  - (k) clause (7) shall be omitted.
  - (l) in clause (10), proviso to clause shall be inserted, namely:

“Provided that this shall not be applicable for trades pursuant to exercise of stock options.”
  - (m) in clause (11), the words “recording of reasons for such decisions” shall be omitted.
  - (n) in clause (12), after the words “suspension” and before the word “etc.” the words “, recovery, clawback” shall be inserted.
  - (o) in clause (12), the words “persons” shall be substituted with the words “listed company”.
  - (p) in clause (12), the words “and sub-regulation (2)” shall be omitted.
  - (q) in clause (13), the words “persons” shall be substituted with the words “listed company”.
  - (r) in clause (13), the words “and sub-regulation (2)” shall be omitted.
  - (s) in clause (13), the word “they” shall be substituted with the word “it”.
  - (t) after clause (13), a new clause (14) shall be inserted, namely:-



“14. Designated persons shall be required to disclose names and Permanent Account Number or any other identifier authorized by law of the following persons to the company on an annual basis and as and when the information changes:

- (a) immediate relatives
- (b) persons with whom such designated person(s) shares a material financial relationship
- (c) Phone, mobile and cell numbers which are used by them

In addition, the names of educational institutions from which designated persons have graduated and names of their past employers shall also be disclosed on a one time basis.

**Explanation**—The term “material financial relationship” shall mean a relationship in which one person is a recipient of any kind of payment such as by way of a loan or gift during the immediately preceding twelve months, equivalent to at least 25% of such payer’s annual income but shall exclude relationships in which the payment is based on arm’s length transactions.”

(u) after clause (14), a new clause (15) shall be inserted, namely:-

“15. Listed entities shall have a process for how and when people are brought ‘inside’ on sensitive transactions. Individuals should be made aware of the duties and responsibilities attached to the receipt of Inside Information, and the liability that attaches to misuse or unwarranted use of such information.”

(9) after SCHEDULE B, SCHEDULE C shall be inserted, namely:-

### **“SCHEDULE C**

*[See sub-regulation (1) and sub-regulation (2) of regulation 9]*

#### **Minimum Standards for Code of Conduct for Intermediaries and Fiduciaries to Regulate, Monitor and Report Trading by Designated Persons**

1. The compliance officer shall report to the board of directors or head(s) of the organisation (or committee constituted in this regard) and in particular, shall provide reports to the Chairman of the Audit Committee or other analogous body, if any, or to the Chairman of the board of directors or head(s) of the organisation at such frequency as may be stipulated by the board of directors or head(s) of the organization but not less than once in a year.

2. All information shall be handled within the organisation on a need-to-know basis and no unpublished price sensitive information shall be communicated to any person except in furtherance of legitimate purposes, performance of duties or discharge of legal obligations. The code of conduct shall contain norms for appropriate Chinese Wall procedures, and processes for permitting any designated person to “cross the wall”.

3. Designated persons and immediate relatives of designated persons in the organisation shall be governed by an internal code of conduct governing dealing in securities.

4. Designated persons may execute trades subject to compliance with these regulations. Trading by designated persons shall be subject to pre- clearance by the compliance officer(s), if the value of the proposed trades is above such thresholds as the board of directors or head(s) of the organisation may stipulate.

5. The compliance officer shall confidentially maintain a list of such securities as a “restricted list” which shall be used as the basis for approving or rejecting applications for pre-clearance of trades.

6. Prior to approving any trades, the compliance officer shall seek declarations to the effect that the applicant for pre-clearance is not in possession of any unpublished price sensitive information. He shall also have regard to whether any such declaration is reasonably capable of being rendered inaccurate.

7. The code of conduct shall specify any reasonable timeframe, which in any event shall not be more than seven trading days, within which trades that have been pre-cleared have to be executed by the designated person, failing which fresh pre-clearance would be needed for the trades to be executed.

8. The code of conduct shall specify the period, which in any event shall not be less than six months, within which a designated person who is a connected person of the listed company and is permitted to trade in the securities of such listed company, shall not execute a contra trade. The compliance officer may be empowered to grant relaxation from strict application of such restriction for reasons to be recorded in writing provided that such relaxation does not violate these regulations. Should a contra trade be executed, inadvertently or otherwise, in violation of such a restriction, the profits from such trade shall be liable to be disgorged for remittance to the Board for credit to the Investor Protection and Education Fund administered by the Board under the Act.

Provided that this shall not be applicable for trades pursuant to exercise of stock options.

9. The code of conduct shall stipulate such formats as the board of directors or head(s) of the organisation (or committee constituted in this regard) deems necessary for making applications for pre-clearance, reporting of trades executed, reporting of decisions not to trade after securing pre-clearance, and for reporting level of holdings in securities at such intervals as may be determined as being necessary to monitor compliance with these regulations.

10. Without prejudice to the power of the Board under the Act, the code of conduct shall stipulate the sanctions and disciplinary actions, including wage freeze, suspension, recovery, clawback etc., that may be imposed, by the intermediary or fiduciary required to formulate a code of conduct under sub-regulation (1) and sub-regulation (2) of regulation 9, for the contravention of the code of conduct.

11. The code of conduct shall specify that in case it is observed by the intermediary or fiduciary required to formulate a code of conduct under sub-regulation (1) or sub-regulation (2) of regulation 9, respectively, that there has been a violation of these regulations, such intermediary or fiduciary shall inform the Board promptly.

12. All designated persons shall be required to disclose name and Permanent Account Number or any other identifier authorized by law of the following to the intermediary or fiduciary on an annual basis and as and when the information changes:

- a) immediate relatives
- b) persons with whom such designated person(s) shares a material financial relationship
- c) Phone, mobile, and cell numbers which are used by them

In addition, names of educational institutions from which designated persons have studied and names of their past employers shall also be disclosed on a one time basis.

**Explanation** – the term “material financial relationship” shall mean a relationship in which one person is a recipient of any kind of payment such as by way of a loan or gift during the immediately preceding twelve months, equivalent to at least 25% of such payer’s annual income but shall exclude relationships in which the payment is based on arm’s length transactions.

13. Intermediaries and fiduciaries shall have a process for how and when people are brought ‘inside’ on sensitive transactions. Individuals should be made aware of the duties and responsibilities attached to the receipt of Inside Information, and the liability that attaches to misuse or unwarranted use of such information.”

AJAY TYAGI, Chairman

[ADVT.-III/4/Exty./475/18]

**Footnotes:**

1. The Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015 were published in the Gazette of India on January 15, 2015 vide No. LAD-NRO/GN/2014-15/21/85.